**अन्तरिम व्यादेश आदेश के उन्मोचन या रूपभेद के लिए आदेश XXXIX, नियम 4 के अधीन आवेदन पत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में.............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

1. श्रीमान जी,
2. यह कि ऊपर नामित किया गया प्रतिवादी निम्नलिखित रूप में अति सादर पूर्वक निवेदन करता है
3. यह कि वादी ने..................रुपये के लिए वाद में सम्पत्ति का विक्रय करने का एक कूटरचित और गढ़े गये करार बनाकर और प्रस्तुत करके और उपर्युक्त मिथ्या एवम् गढ़े गये संव्यवहारों की बावत प्रतिवादी से.................रुपये की मिथ्या रसीद प्रदर्शित करके दिनांक...................को वाद के निस्तारण तक यथापूर्व स्थिति कायम रखने के लिए एक अंतरिम व्यादेश प्राप्त किया है। वादी ने उपर्युक्त करार विलेख पर प्रतिवादी का एक मिथ्या एवम् कूटरचित अंगूठे का निशान लगाया है जो दिनांकित नही है। करार के कथित विलेख पर अंगूठे का निशान प्रतिवादी के अंगूठे का निशान नहीं है बल्कि किसी दूसरे व्यक्ति का है जो उसके साक्षियों के साथ-साथ वादी को मौनानुमति दे सकता था। इतने पर भी, वादी वादपत्र में एक धूर्त महिला उसे कहकरके प्रतिवादी की अभिव्यक्त तौर पर मानहानि की है।
4. यह कि वादी यहां तक वादपत्र पर उचित न्यायालय फीस का संदाय नहीं किया है और विद्वान जिला न्यायाधीश के समक्ष पुनरीक्षण में मात्र प्रतिवादी को परेशान करने हेतु तथा वाद के निपटाया जाने में विलम्ब करने के लिए और विधिक प्रक्रिया के गंभीर दुरुपयोग में एक प्रतिवादिनी, एक वृद्ध महिला को स्वाभाविक मृत्यु की ओर लाने के लिए गया है।
5. यह कि प्रतिवादी उसके विधिक वारिसों एवम् उत्तराधिकारियों के बीच प्रतिफल के उचित व्यपदेशन हेतु तथा स्वयं के भरण-पोषण के लिए वाद में सम्पत्ति का व्ययन करना चाहता है और यह न्यायहित में समीचीन है कि प्रतिवादी को उन शर्तों के अध्यधीन रहते हुए वादकालीन वाद में सम्पत्ति का अंतरण करने के लिए अनुज्ञात किया जा सकेगा जिन्हें यह आदरणीय न्यायालय अधिरोपित करना उपयुक्त समझे।
6. यह कि प्रतिवादी इस बात का वचन देता है कि वह वाद में इस आदरणीय न्यायालय की डिक्री एवम घोषणा का पालन करने के लिए और इस न्यायालय की अंतिम डिक्री पर उसके सभी अधिकारों एवम् हक के दावे का त्याग करने के लिए ऐसे अंतरिती की आबद्धकर इच्छा करने वाले अंतरिती को अंतरण विलेख में एक अभिव्यक्त शर्त प्रस्तत करगा यदि यह प्रतिवादी तथा इच्छा करने वाले अंतरिती के विरुद्ध जाता है।
7. यह कि उपर्युक्त परिस्थितियों में यह आगे समीचीन है कि यह आदरणीय न्यायालय उन शर्तों क अध्यधीन रहते हए कतिपय इच्छा करने वाले अंतरिती एवम् अंतरितियों को वाद में सम्पत्ति का अंतरण करने हेतु प्रतिवादी को अनुज्ञात कर अन्तरिम व्यादेश दिनांकित................. एक परिवर्तन करने की कृपा करें जैस कि यह आदरणीय न्यायालय ठीक समझे।

**प्रार्थना**

अतएव, यह अति सादर पूर्वक प्रार्थना की जाती है कि यह आदरणीय न्यायालय उन शर्तों के अध्यधीन रहते हुए किसी इच्छा करने वाले व्यक्तियों को विक्रय द्वारा वाद में सम्पत्ति को अंतरित करने के लिए प्रतिवादी को अनुज्ञात कर अंतरिम व्यादेश दिनांकित...................में परिवर्तन करने की कृपा करें जिन्हें यह आदरणीय न्यायालय मामले की परिस्थितियों में उचित समझे।

**प्रतिवादी के लिए अधिवक्ता**

**स्थान....**

**तारीख.....**

.

**शपथपत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में.............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

मैं..............निवासी........... ..निम्नलिखित रूप में एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान एवम् घोषणा करता हूं

1. यह कि मैं इस वाद में...................हूँ तथा अतएव, इस शपथपत्र पर शपथ लेने के लिए सक्षम हूँ।

 2. यह कि साथ दिये जा रहे आवेदन पत्र की अन्तर्वस्तुएं सत्य एवम् सही है।

**शपथकर्ता**

**सत्यापन**

में दस तारीख................... को यह सत्यापित किया गया कि ऊपर शपथपत्र की अन्तर्वस्तुएं मेरी जानकारी में सत्य एवम् सही है।

**शपथकर्ता**